

प्रेषक,

टीकम सिंह पवार  
संयुक्त सचिव  
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
उत्तराखण्ड पेयजल निगम,  
देहरादून ।

पेयजल अनुभाग

देहरादून दिनांक 03 नवम्बर, 2007

विषय:- वित्तीय वर्ष 2007-08 में उत्तरकाशी शहर में गंगा कार्ययोजना के अन्तर्गत परिसम्पत्तियों के रखरखाव हेतु घनावटन ।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1584/घनावटन प्रस्ताव/ दिनांक 24.05.2007 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में उत्तरकाशी शहर में गंगा प्रदूषण नियंत्रण कार्य के रखरखाव हेतु अनु० लागत रु० 13.47 लाख के प्राकलन पर टी०ए०सी० वित्त के परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पायी गयी धनराशि रु० 10.09 लाख (रु० दस लाख नौ हजार मात्र) की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ ही इतनी ही धनराशि के व्यय हेतु निम्न शर्तों के अधीन आपके निर्वहन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं। उक्त धनराशि का व्यय इस हेतु भारत सरकार व राज्य सरकार के मानकों के अनुरूप ही किया जायेगा। शेड्यूल रेट से अधिक पर कार्य न किया जाय।

2- उपर्युक्त स्वीकृत अनुदान की धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उत्तराखण्ड पेयजल निगम, देहरादून के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल कोषागार देहरादून में प्रस्तुत करके आवश्यकतानुसार ही पूर्ण स्वीकृत समस्त धनराशि का उपयोग करने के उपरान्त आहरित किया जायेगा। आहरण से सम्बन्धित बिल बाउचर्स की संख्या व दिनांक की सूचना शासन को एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध करायी जायेगी।

3- उक्त स्वीकृति से व्यय की गई धनराशि का विस्तृत ब्यौरा तथा मासिक व त्रैमासिक वित्तीय/भौतिक प्रगति गणनासमय शासन को उपलब्ध करायेगे एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र पूर्ण व्यय विवरण सहित शासन तथा महालेखाकार, उत्तराखण्ड को चालू वित्तीय वर्ष की 31.03.2008 तक अवश्य उपलब्ध करा दिया जायेगा।

4- गंगा कार्य योजना के अन्तर्गत किये गये व्यय से सृजित परिसम्पत्तियों के रखरखाव का राज्य सरकार की वचनबद्धता की सीमा तक धनराशि व्यय की जा सकेगी और इसके अगिलेखों का रखरखाव योजनावार अलग-अलग किया जायेगा।

5- एक मद की धनराशि का व्यय दूसरी मद में कदापि न किया जाय।

11

- 6- स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों के सापेक्ष उ0प्र0 शासन के वित्त विभाग के शासनादेश संख्या ए-2-87(1)दस-97 17 (4)75 दिनांक 27.02.1997 के अनुसार सेन्टेज व्यय किया जायेगा तथा कार्यों की कुल लागत के सापेक्ष पूर्व में व्यय की गई धनराशि सहित सेन्टेज चार्ज 12.50 प्रतिशत से अधिक अनुमन्य नहीं होगा। इसे कृपया कड़ाई से सुनिश्चित कर लिया जाय।
- 7- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, फाईनेन्शियल हेण्डबुक नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शाराकीय अशक्त सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हों तो उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- 8- उक्त स्वीकृत धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों का विस्तृत विवरण एक सप्ताह के भीतर शासन को अवश्य उपलब्ध कराया जाय।
- 9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.03.2008 तक उपयोग करके वित्तीय /भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जायेगा, जो धनराशि दिनांक 31.03.2008 तक अप्रयुक्त रहती है उसे शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।
- 10- आगणन में उल्लिखित दरें केवल आगणन गठित के लिए ही अनुमन्य हैं, कार्य कराने से पूर्व दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई है की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- 11- कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी बिना प्राविधिक स्वीकृति के सिकी भी दशा में व्यय अनुमन्य न होगा।
- 12- कार्य स्वीकृत राशि तक ही सीमित रखे। अधिक्य किसी भी दशा में न किया जाय। अधिक्य के लिए निर्माण इकाई स्वयं उत्तरदाई होगा।
- 13- निर्माण सामग्री क्रय करने से पूर्व स्टोर पर्चेज नियमों का पालन कड़ाई से किया जाय।
- 14- कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता हेतु सम्बन्धित अधिशारी अभियन्ता पूर्ण रूप से उत्तरदायी होंगे।
- 15- उक्त व्यय वर्तमान वालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के अन्तर्गत अनुदान संख्या-13 के लेखाशीर्षक 2215-जलापूर्ति तथा सफाई-02-मल निकासी एवं सफाई- आयोजनागत -106-वायु एवं जल प्रदूषण का निवारण-03-गंगा कार्यकारी योजना के अन्तर्गत रखरखाव हेतु जल निगम को अनुदान (फेज-1 एवं II)- 00-20-सहायकअनुदान/अशदान/राजसहायता के नामे डाला जायेगा।
- 16- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं0- 562/XXVII(2)/2007 दिनांक 28 नवम्बर, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

१९

भवदीय

(टीकम सिंह पंवार)  
संयुक्त सचिव

पू०सं० 1921/उन्तीस(2)/07-2(93पे०)/2007टीसी तददिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, देहरादून/उत्तरकाशी।
4. कृषि अधिकारी, देहरादून।
5. परियोजना प्रबन्धक, गंगा प्रदूषण नियंत्रण इकाई, उत्तराखण्ड पेयजल निगम उत्तरकाशी।
6. वित्त अनुभाग-2/नियोजन/राज्य योजना आयोग/बजट सेल।
7. निजी सचिव, मा० पेयजल मंत्री को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ।
8. निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
9. निदेशक, एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून।
- ✓ 10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(नवीन सिंह तड़ागी)

उप सचिव

29/11/07